

ई-फाइलिंग लागू करने वाला प्रदेश का पहला कलेक्टर बना जयपुर

चर्चा में क्यों?

3 दसंबर, 2022 को जयपुर कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि जयपुर कलेक्टर में ई-फाइलिंग सिस्टम को लागू किया गया है। राजस्थान में ई-फाइलिंग लागू करने वाला जयपुर पहला कलेक्टर बन गया है।

प्रमुख बिंदु

- जयपुर कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने एक नवाचार के तहत जयपुर कलेक्टर में ई-फाइलिंग सिस्टम को लागू किया है। कलेक्टर की संस्थापन शाखा और सामान्य शाखा से ई-फाइलिंग सिस्टम की शुरुआत की गई है। जल्द ही ई-फाइलिंग सिस्टम को पूरे कलेक्टर में लागू किया जाएगा।
- अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रथम) दनिश कुमार शर्मा ने कहा कि जयपुर जिला कलेक्टर को पेपरलेस बनाने की दशा में ई-फाइलिंग सिस्टम मील का पत्थर साबित होगा। इस फैसले से न केवल कागज की बचत होगी बल्कि फाइलों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग करना भी मुमकिन होगा।
- जिला कलेक्टर में अभी तक राज-कार्य कागज की पत्रावलियों के माध्यम से हो रहा था, जिससे न केवल बड़ी मात्रा में कागज की खपत हो रही थी, साथ ही इन पत्रावलियों और फाइलों का सुरक्षा संधारण सुनिश्चित करना मुश्किल होता था। अब राजस्थान सरकार के सूचना एवं तकनीकी विभाग द्वारा तैयार किये गए राज-काज सॉफ्टवेयर से सारा राज-कार्य ई-फाइलिंग सिस्टम के जरिये होगा।
- इसके तहत पत्रावली भौतिक न होकर ऑनलाइन प्रारूप में होगी। राज-काज सॉफ्टवेयर पर ही पत्रावली तैयार की जाएगी और ऑनलाइन ही संबंधित अधिकारी को अग्रपेक्षित की जाएगी। अधिकारी अपनी एसएसओ आईडी से लॉगइन कर पत्रावली पर कार्यालय टपिणी कर सकेंगे या फरि डिजिटल साइन के माध्यम से फाइल का अनुमोदन कर सकेंगे। साथ ही ऑनलाइन ही आदेश भी जारी हो सकेंगे।
- ई-फाइलिंग सिस्टम लागू होने से जयपुर कलेक्टर में कार्यालय टपिणी से लेकर पत्रावली अनुमोदन तक की सारी प्रक्रिया पेपर लैस हो जाएगी और फाइलों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा सकेगी।
- फाइलों के फजिकल मूवमेंट नहीं होने से पेपर, समय और मानव-श्रम की बचत तो होगी ही साथ ही वर्क फ्रॉम होम और वर्क ऐनी ह्वेयर, ऐनी टाइम की अवधारणा भी मुमकिन हो पाएगी। राजकीय कार्यों में सरलता और पारदर्शिता तो आएगी ही साथ ही पत्रावलियों का संचालन और संधारण पहले के मुकाबले और आसान हो जाएगा। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के जिला कार्यालय में भी ई-फाइलिंग सिस्टम लागू कर दिया गया है।